EDITORIAL

Onward March to Amritsar AIC

The All India conference is an important mile stone for any organization where the delegates are assembling to do their highest democratic exercise. The NFTE conferences are unique in its own ways since the time of Comrade Gupta. Normally it is massive, an assemblage of thousands of comrades as delegates and visitors with the intention that the rank and file should get direct acquaintance with the affairs of their union and to have proper review. The discussion and debates are educative not for any scholarly competition but for search of finding ways to solve the importance challenges taking into account the ground realities. This legacy of NFTE will be further strengthened at Amritsar when we are meeting in the coming March.

The Offence of neo-liberalism and the tendencies of hate politics are the great obstacles for the welfare of our people. The world is going to assess back the atrocities of British at Jalianwala Bagh on the year 1919 and 2019 will be the centenary year of that cruel massacre. The valour shown by our Punjab people led by Lalalajpat and Bhagat Singh got its own respect and memory in the minds of workers. The culture and tradition of Amritsar speaks a lot to us. The name itself denotes Nectar of sarovar, near the Golden Temple. But our conferences are not for any picnic. Active presence and attention of the delegates with good level of discussion are some of the hall mark qualities of any good conference. We hope the delegates will take this in proper spirit and cooperate for the success of the conference.

The agenda of the Conference is notified and circulated to the branches thro Telecom. The AIC will guide us to streamline our organisation from Branch to CHQ and make us fit to think alike and act together by ensuring the democratic functioning at all levels. Our AIC will help us also to reorient our style of functioning at various levels in such a way to inspire the members of not only of our union also the members of various unions. Introspection is the need of the hour at all levels. We are the premier organization and second to none in building the telecom movement and rail it in proper tracks to advance.

The surest way to meet the challenges lies always in the trimness and preparedness of our organisation. Differences in outlook, opinion and approach are normal in any organization but it should not be magnified and exploited. We should evolve and adopt our work ethics. Space for everyone as per the Roll should be ensured. Websites- Notice Boards and social media should not be misused by airing out personal views on Organizational matters and issues. Reasonable restriction and discipline should be observed. The constitutional values of our organization should be respected and ensured at all levels.

We are meeting at Amritsar at the time of having difficult tasks which are demanding bigger role of NFTE in the united movement. The AIC thro its deliberations and decision should guide us for the same. The strike struggles that we conducted for the wage revision; Tower Corporation etc. should be reviewed to have proper lessons. Our discussion on such important issues should help us to find the way out. We expect Leaders from various organizations and Higher Officers from the Management to join us at Amritsar. Their valuable addresses will help us to forge unity of all unions. Senior members in the age of retirement expect guarantee of pension and its revision. The expectations of young fresher's are for quick career growth and Job security. We should match the expectations of all to grow together. Issues like NEPP, PLI, calendar of Examination, stagnation, parity with MTNL scales etc .are there that need to be sorted out at the earliest.

Our Circle Secretaries are expected and directed to bring a blue print with the caption "Making My Circle a Profitable Circle" after some discussion with their CGM, Financial Authorities and Comrades having some expertise. The valid points of the notes of our Circle secretaries will be compiled and submitted to CMD and DOT for making BSNL a profitable entity in the coming years at least. This will make our conference a constructive one on the issue of viability of BSNL.

Let us assemble at Amritsar with greater determination to advance the cause of workers and our wonderful BSNL. Let the AIC guide us with healthy discussion and realistic decisions. March on to Amritsar.

संपादकीय

अखिल भारतीय सम्मेलन अमृतसर और आगे

किसी भी संगठन का अखिल भारतीय सम्मेलन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होता है जहां पूरे भारत से एकत्रित प्रतिनिधि अपने उच्चतम जनतांत्रिक अभ्यास करते हैं। महान् विभूति का. ओ.पी. गुप्ता जी के समय से ही एनएफटीई का सम्मेलन अपने निराले अंदाज में सम्पन्न होते आया है। साधारतः यह हजारों प्रतिनिधियों एवं दर्शकों का जमघट होता है जो सम्मेलन में उपस्थित होकर अपने संघ के क्रियाकलापों का अनुशीलन करते हैं तथा प्रत्यक्ष रूप से इससे रूबरू होते हैं। यहां के संवाद विद्वता की प्रतिस्पार्धा नहीं होते परन्तु मुश्किलों से निजात पाने के लिए सर जमीन की सच्चाइयों के साथ वार्ता के द्वारा हल निकालते हैं। एन.एफ.टी.ई की यह परंपरा और अधिक मजबूती के साथ अमृतसर में अगले मार्च 2018 में दुहराई जायेगी।

नव उदारवादी प्रहार एवं ओछी राजनीतिक विचारों के कारण जनता का कल्याण बाधित है। दुनिया 1919 में ब्रिटिशजन द्व ारा जलियावाला बाग में किये गये क्रर जनसंहार की कार्यवाई की शतवार्षिकी 2019 में पूरा होते देखेगी। महान देशभक्त लाला लाजपत राय एवं शहीद भगत सिंह बेमिसाल कुर्बानी का सम्मान सर्वोपरि है। अमृतसर की परम्परा एवं संस्कृति हमें बहुत कुछ बताती एवं सिखाती है। स्वनामधन्य अमृतसर नाम स्वयं महत्व को दर्शाती है और यह अमृत सरोवर स्वर्ण मंदिर के पास है परन्तु हम अमृतसर कोई पिकनिक मनाने नहीं जा रहे हैं। जीवंत प्रतिनिधियों की उपस्थिति एवं उच्चस्तरीय चर्चाएं सम्मेलन के लिए "हाल–मार्क" सिद्ध होगी। आशा है प्रतिनिधिगण इसे सही अंदाज में लेंगे तथा सम्मेलन की सुखद सम्पन्नता की गारंटी करेंगे।

सम्मेलन के लिए विचारणीय मुद्दे अपनी गृह पत्रिका टेलीकॉम के द्वारा शाखाओं तक पहुंचा दी गई है। यह सम्मेलन हमें शाखा से केन्द्रीय मुख्यालय तक अपने क्रियाकलापों को जनतांत्रिक तरीके से एक सोच के साथ कतारबद्ध होकर अग्रसर होने की विधा के विषय में दिशा–निदेश जारी करेगी। यह सम्मेलन हमें अपने समूह के साथ ऐसे स्टाइल में कार्य करने की दिशा दिखायेगी जो केवल अपने सदस्यों को ही नहीं अपितु दूसरे यूनियन के सदस्यों को भी प्रभावित करेगी। प्रवाह हर स्तर पर समय की पुकार होता है।

हम प्रारंभिक संगठन है और टेलीकाम कर्मचारियों के अंदोलन को आगे बढ़ाने में कभी भी दूसरे स्थान पर रहने वाले नहीं हैं और हमने इसे लौह पथ सदृश सुदृढ़ स्थितियों बनाये रखा है।

सांगठिन तैयारी एवं चुस्ती के साथ अग्रसोच सफलता की कुंजी है, विचार, परिदृश्य और पहुंच में मतभेद एक आम स्थिति है परंतु इसे बुहदाकार बनाकर नष्ट करने की स्थिति नहीं बनानी चाहिए। हमें नैतिक मूल्यों अधारित कार्यशौली का निर्धारण करते हुए सबके लिए स्थान बनाकर क्रमानुसार कार्य करने की आजादी मिलनी चाहिए। वेबसाइट, नोटिस बोर्ड, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से किसी प्रकार के व्यक्तिगत आक्षेप से बंचित होकर तथा अपने व्यक्तिगत विचारों को संगठन की मर्यादा के विरूद्ध उछालने से परहेज रखनी होगी। मान्य अंकुश एवं अनुशंसन मान्य होनी चाहिए। यूनियन के संविधान के महत्व का सम्मान हर स्तर पर होनी चाहिए।

हम अमृतसर में ऐसे समय में एकत्रित हो रहे हैं जबकि एक महत्वपूर्ण जिम्मेवारी के साथ एन.एफ.टी.ई. द्वारा एकताबद्ध आंदोलन में अहम भूमिका अपेक्षित है। सम्मेलन को चर्चा एवं निर्णय के माध्यम से आम सदस्यों का दिशा–निदेश करना होगा। हमें वेतन पुनरीक्षण एवं टावर कम्पनी के लिए किए गए हड़ताल की समीक्षा करते हुए सीख लेने की जरूरत है। इन विषयों पर परिचर्चा से हमारी दिशा स्पष्ट हो सकती है। प्रबंधन के उच्च अधिकारी एवं विभिन्न संघों के श्रमिक नेताओं की उपस्थिति सम्मेलन में सम्भावित है। उनके मूल्यवान विचार हमें एकताबद्ध होने में सहायक होंगी।

वरीय साथियों की भिन्ता पेंशन की गारंटी एवं इसकी पुनरीक्षण है। युवा साथी तेजी से पदोन्नति एवं सुरक्षित नौकरी की अपेक्षा रखते हैं। हमें सभी की अपेक्षाओं को शामिल करते हुए सबकी उन्नति की गारंटी करनी होगी। एन.ई.पी.पी. पीएल.आई, विभागीय परीक्षा, स्टैगनेशन, आदि का हल शीघ्र ढूंढ़ना होगा। परिमंडलीय सचिव अपने परिमंडलों के लाभ जनित बनाने के उपाय लेकर आयेंगे ऐसी अपेक्षा की जा सकती है। उन्हें अपने मुख्य महाप्रबंधक एवं वित्तीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कुछ कुंजी नोट लानी चाहिए। हमें समस्त परिमण्डलों से एक महत्वपूर्ण नोट बनाकर सी.एम.डी. एवं डी.ओ.टी. को सौंपने की जरूरत है।

आइयें हम अमृतसर में एकत्रित होकर कर्मचारियों की हित रक्षा की चर्चा को आगे बढ़ाते हुए अपने महान कम्पनी बी.एस.एन. एल. की सुरक्षा एवं उन्नयन की दिशा में इस सम्मेलन को मील का पत्थर साबित करें। अखिल भारतीय सम्मेलन स्वस्थ वार्तालाप एवं मान्य निर्णयों के साथ हमें मार्ग दर्शन करेगा ऐसे विश्वास के साथ हम अमृतसर यात्रा की ओर अग्रसर हों।